ग्लोबल इंडिया

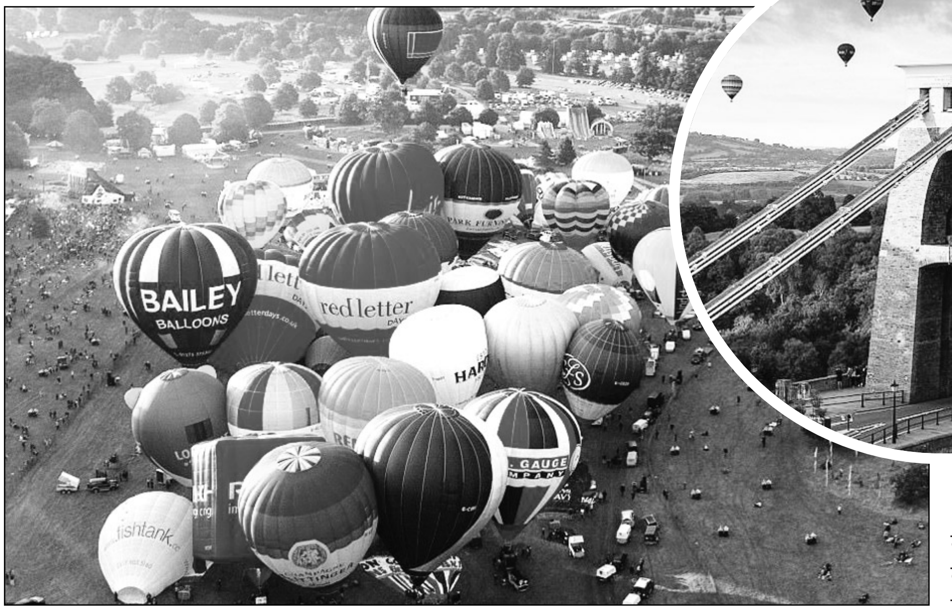

यूरोप का बैलूनिंग इवेंट रद्द, निराश हुए दर्शक

बैलून्स से सराबोर होता आकाश लेकिन तेज हवा के चलते यूरोप के बैलूनिंग इवेंट को निरस्त करना पड़ा। दरअसल इस इवेंट का शो शुक्रवार को यूरोप के ब्रिस्टल में एस्टन कोर्ट एस्टेट में होना था लेकिन तेज हवाओं और बदले मौसम के कारण इसे रद्द करना पड़ा। ये 4 दिन तक चलता है और इसमें कई सैलानी और दर्शक आकाश में सैकड़ों की संख्या में बैलून्स को उड़ते देखते हैं। यह नजारा इतना मनमोहक होता है कि मानो नजरें वहीं टिकी रह जाती हैं। कई अलग-अलग देशों के 130 से अधिक गुब्बारे इस शो के लिए मंगवाए जाते हैं। इस बैलून फिएस्टा में भाग लेने कई लोग दूर-दूर से आते हैं और ऐसे में उन्हें निराशा हाथ लगी। आलम यह था कि तेज हवाओं के मद्देनजर आयोजकों को मजबूरन यह शो रोकना पड़ा। वहीं पिछले 15 सालों से इस यात्रा का हिस्सा रहे ग्लुकोशायर के क्रिस हैथवे ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं था। हवाओं के बाद भी इन्हें उड़ाया जा सकता था लेकिन आयोजकों ने इसे रद्द कर दिया। उन्होंने बताया कि मैंने कई क्रिटिकल कंडीशंस में भी बैलून सवारों को सुरक्षित पहुंचाया है लेकिन जब इसे निरस्त कर दिया गया तो मुझे बेहद दु:ख हुआ।

चीन के साथ सीमा विवाद में भारत का रवैया अनुभवी और ताकतवर देश जैसा : अमेरिका

वॉशिंगटन। एक टॉप अमेरिकी एक्सपर्ट ने कहा है कि चीन के साथ सीमा विवाद में भारत का रवैया एक अनुभवी ताकतवर देश जैसा रहा है, वहीं इस मामले में चीन बचकानी हरकतें कर रहा है। 16 जून से सिक्किम के डोकलाम में भारत-चीन के बीच बॉर्डर विवाद चल रहा है। भारत का कहना है कि बातचीत तभी हो सकती है, जब दोनों देशों की सेनाएं पीछे जाएं। चीन का कहना है कि भारत, उसकी सीमा में दाखिल हुआ है, लिहाजा उसे पीछे जाना चाहिए। इस बीच चीन 8 बार धमकी भी दे चुका है।

यूएस नेवल वॉर कॉलेज में डिफेंस स्ट्रैटेजी के प्रोफेसर जेम्स आर. होम्स ने कहा, पूरे विवाद में भारत का रुख एकदम ठीक है। भारत की सेनाएं न तो विवादित इलाके से वापस आ रही हैं और न ही वह चीन की धमकियों का कोई जवाब दे रही हैं। भारत एक मैच्योर पावर की तरह बर्ताव कर रहा है और चीन किसी नासमझ की तरह बयानबाजी कर रहा है। इसे अजीब ही कहा जाएगा कि चीन अपने शक्तिशाली पड़ोसी के साथ सीमा विवाद में उलझा है। अगर चीन समुद्र में अपनी ताकत बढ़ाना भी चाहता है तो उसे अपनी सीमाएं सुरक्षित करनी होंगी। लेकिन इसका ये कतई मतलब नहीं कि वह अपने पड़ोसियों की सीमा में दखलंदाजी करे। भारत-चीन सीमा विवाद पर अमेरिका चुप क्यों है, इस सवाल पर होम्स ने कहा, हो सकता है कि नरेंद्र मोदी और उनके सलाहकार फिलहाल नहीं चाहते कि यूएस इस विवाद में शामिल हो। हालांकि इस बात की संभावना है कि विवाद बढ़ने पर अमेरिका, भारत का ही सपोर्ट करेगा।

भारत ने चीन बॉर्डर पर सैनिकों की तैनाती बढ़ाई

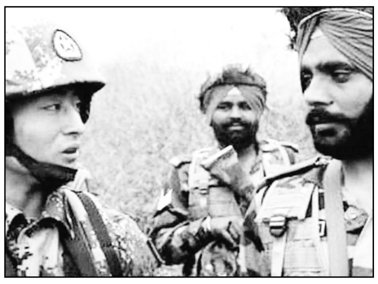

भारत ने चीन से सटे सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के 1400 किलोमीटर लंबे साइनो-इंडिया बॉर्डर पर सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी है। सरकार के मुताबिक, देश की पूर्वी सरहद पर फौज के लिए अलर्ट लेवल बढ़ा दिया गया है। भारत का कहना है कि चीन हमारे इलाके में घुसपैठ कर रहा है। वहां भारत के 350 सैनिक जमे हुए हैं। डोकलाम भारत-चीन-भूटान का ट्राईजंक्शन है। ईस्टर्न इलाके के सेंसेटिव इलाके में सुकना बेस्ड 33 कॉर्प्स, अरुणाचल और आसाम बेस्ड 3-4 कॉर्प्स प्रोटेक्शन की जिम्मेदारी दी गई है। इस बारे में अफसर ने कोई जानकारी नहीं दी कि कितने सैनिक बढ़ाए गए हैं। अफसर ने ऑपरेशनल मूव होने के चलते ये जानकारी देने से इनकार कर दिया।

चीन की भारत को कब-कब धमकी?

1) 10 जुलाईः चाइना डेली में आर्टिकल के जरिए। कहा गया- भारत डोकलाम से फौरन सेना हटाए।

2) 24 जुलाईः चीन की फॉरेन मिनिस्ट्री ने कहा- बातचीत की सिर्फ एक शर्त है कि भारत बिना किसी शर्त के डोकलाम से अपने सैनिक हटाए।

3) 25 जुलाईः चीन के फॉरेन मिनिस्टर वांग यी ने कहा- डोकलाम का हल सिंपल है। भारत वहां से अपने सैनिक हटा ले।

4) 02 अगस्तः चीन ने 15 पेज का बयान जारी कर कहा- भारत ने घुसपैठ की है। ये भूटान-चीन का मसला है। भारत वहां से ट्रूप्स हटाए।

5) 03 अगस्तः भारत देर ना करे। ये समझा जाना चाहिए कि चीन के पास दुश्मन को हटाने की पूरी काबिलियत मौजूद है।

6) 05 अगस्तः चीन के एक एक्सपर्ट ने कहा- भारतीय सैनिकों को हटाने के लिए 2 हफ्तों में छोटा सैन्य ऑपरेशन किया जा सकता है।

7) 07 अगस्तः पीएलए के सीनियर कर्नल ली ली ने कहा- अगर भारत जंग से बचना चाहता है तो उसे डोकलाम से फौरन अपने सैनिक वापस बुला लेने चाहिए।

8) 08 अगस्तः चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने मंगलवार को अपने संपादकीय में कहा था, भारत 1962 की जंग का सबक भूल गया है, नेहरू ने हमें कमतर आंका था, मोदी भी हमारी वॉर्निंग को नजरअंदाज ना करें। अगर भारत डोकलाम विवाद पर चेतावनी को इसी तरह नजरअंदाज करता रहा तो बीजिंग जरूरी जवाबी कदम उठाएगा।

ढाका हवाई अड्डे पर एयर इंडिया कार्यालय में आग

ढाका । ढाका के बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थित एयर इंडिया कार्यालय के भीतर आग लग गई। सरकार ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को लगी भीषण आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन के दस दस्तों को करीब दो घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। हजरत शाह जलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दोपहर में आग लग गई। यह बांग्लादेश का मुख्य हवाई अड्डा है। आग पर काबू पाने के बाद विमानों का संचालन बहाल हो गया। नागरिक उड्डयन प्राधिकार के प्रवक्ता रेजाउल करीम ने कहा, शाम चार बजे हमने सामान्य संचालन शुरू किया। आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। अधिकारियों ने अंतर विभागीय जांच का आदेश दिया है।

कुवैत ने 2015 के जासूसी मामले में दोषी 12 लोगों को किया गिरफ्तार

दुबई। कुवैती अधिकारियों ने ईरान और लेबनान के शिया मिलिशिया समूह हिजबुल्ला के लिए जासूसी करने के मामले में दोषी करार दिए गए 12 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो काफी समय से फरार चल रहे थे। इंटीरियर मिनिस्ट्री द्वारा जारी किए गए बयान में यह जानकारी दी गई। साल 2015 में कुवैत के अधिकारियों ने अगस्त में दावा किया था कि उन्होंने ईरान से जुड़े अब्दाली सेल का भंडाफोड़ किया है और भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किए थे। कुवैत में ईरान के लिए जासूसी करने के आरोप में दो लोगों को मौत की सजा सुनाई गई थी। इनमें से एक ईरानी नागरिक है, जिसकी गैर-हाजिरी में सजा सुनाई गई। इन पर 25 कुवैती नागरिकों के साथ मुकदमा चलाया गया था। एक व्यक्ति को उम्रकैद और 19 को 5 से 15 साल तक की जेल हुई थी। हालांकि कुवैती अदालत ने मौत की सजा के फैसले को उलट दिया। साथ ही कुछ अन्य दोषियों की सजा घटा दी थी। इसमें कम से कम 14 को अनुपस्थिति में सजा सुनाई गई थी, जिसमें ईरानी नागरिक भी शामिल था। हालांकि ईरान ने इस मामले में किसी भी तरह की भागीदारी से इनकार किया था।

उत्तर कोरिया को जवाब देने की तैयारी में जापान, गुआम में तैनात की मिसाइल

टोक्यो। गुआम पर उत्तर कोरिया की ओर से हमले की धमकी के बाद जापान अपने मिसाइल डिफेंस सिस्टम को तैनात कर रहा है। उत्तर कोरिया की अमेरिका को धमकी के बाद अब जापान जवाब देने के लिए तैयारी में जुटा है। रक्षा मंत्रालय ने पश्चिमी जापान के शिमाने, हिरोशिमा और कोचि में पेट्रियॉट एडवांस्ड कैपेबिलिटी-3 (पीएसी-3) मिसाइल सिस्टम की तैनाती शुरू कर दी है। वर्ष 2009 में जापान ने अपने ऊपर से गुजर रहे एक उत्तर कोरियाई रॉकेट को बिना किसी घटना के मार गिराया गया था।

उस वक्त उत्तर कोरिया ने कहा था कि वह टेली कम्युनिकेशन सैटेलाइट लांच कर रहा है लेकिन वाशिंगटन, सियोल और टोक्यो भी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण कर रहे थे। टेलीविजन फुटेज में मिलिट्री वाहनों को लांचर व सर्फेस टू एयर सिस्टम के लिए अन्य हथियार ले जाते देखा गया जो कोचि में जापानी बेस में प्रवेश करते दिखे।

पुलिस ने जबरन हटाया था हिजाब, अब देना होगा जुर्माना

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया स्थित लॉंग बीच पर पुलिस हिरासत में मुस्लिम महिला का हिजाब जबरन उतरवाया गया था, जिसके बाद उसने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने महिला के पक्ष में फैसला देते हुए पुलिस पर 85,000 डॉलर का जुर्माना लगाया है।

2015 में पति के साथ लो राइडर व्हीकल पर जा रही क्रिस्टी पॉवेल को एक ट्रैफिक स्टॉप पर पुलिस ने रोका। जिसके बाद 2016 में क्रिस्टी ने पुलिस पर जबरन हिजाब हटाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया। अब कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा, पुलिस की ओर से महिला को 85,000 डॉलर दिया जाएगा। दर्ज केस में कहा गया, 'इस दौरान उसने खुद को अपमानित महसूस किया और उसकी धार्मिक मान्यताओं का उल्लंघन किया गया था।' सीएनएन के अनुसार क्रिस्टी के नाम से चोरी का वारंट होने के कारण पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। हालांकि उसके पति ने महिला पुलिस की मांग की थी लेकिन पुलिस अधिकारियों ने इससे इनकार कर दिया और क्रिस्टी को कहा कि उसे अपना हिजाब उतारना होगा। क्रिस्टी पूरी रात जेल में रही।

जब उसके पति ने बांड दिया तब जाकर वह रिहा हुई। इस बात के लिए काउंसिल ऑन अमेरिकन इस्लामिक रिलेशंस ने एक प्रेस रिलीज में क्रिस्टी की प्रशंसा करते हुए तारीफ की है। उल्लेखनीय है कि इस मामले को कोर्ट में ले जाने से पहले क्रिस्टी ने काउंसिल को बताया था कि वह इस तरह की घटना किसी और मुस्लिम महिला के साथ नहीं होने देना चाहती है इसलिए कोर्ट जा रही है।